ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

(A Monthly, Peer Reviewed Online Journal)

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 2, Issue 2, December 2015

शिक्षा में संगीत का महत्व

Dr. Shruti Goswami

Department of Music (Vocal), Maharani Sudarshan Govt. Girls College, Bikaner, Rajasthan, India

सार

गीतों के माध्यम से किसी विषयवस्तु को सरलता से न केवल अभिव्यक्त किया जा सकता है बल्कि कहीं अधिक बोधगम्य भी बनाया जा सकता है। गीत वातावरण की नीरसता, एकरसता, ऊब और भारीपन को दूर कर सरसता, समरसता, उमंग और उत्साही परिवेश का निर्माण करते हैं। सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को गीत रोचक और ऊर्जावान बना देते हैं। संगीत को पूरे इतिहास में सबसे बड़ी मानव रचना कहा गया है। संगीत की मूल परिभाषा शुद्ध और मिलावट रहित सृजनात्मकता है। संगीत हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, यह न केवल एक मजेदार पास-टाइम है बल्कि यह एक बेहतरीन स्ट्रेस बस्टर भी है! कई अध्ययनों से पता चलता है कि संगीत अकादमिक प्रदर्शन, स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती, एकाग्रता के साथ-साथ याददाश्त के स्तर को बेहतर बनाने में मदद करता है! संगीत भी एक बेहतरीन करियर विकल्प है। संगीत प्रत्येक व्यक्ति के जीवन और एक छात्र के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है, इसलिए इस ब्लॉग में, आइए देखें कि जीवन में संगीत का क्या महत्व है और यह आपके छात्र जीवन को कैसे उन्नत कर सकता है; इसका प्रभाव, और यह लोगों में क्या बदलाव लाता है!

परिचय

कुछ लोग संगीत को जीवन की कठिनाइयों से बचने का साधन मानते हैं। यह आपको राहत प्रदान करता है और आपको तनाव मुक्त करने की अनुमति देता है। संगीत एक मजबूत चिकित्सा है जो आपको आराम करने और खुश महसूस करने के दौरान आपको उज्ज्वल बनाने में मदद कर सकता है। वहीं दूसरी ओर छात्र जीवन थोड़ा भारी हो सकता है जिसमें संगीत चमत्कार कर सकता है। संगीत आपके मन को शांत करता है और आपको पूरी तरह से तरोताजा कर देता है।[1] संगीत छात्रों को उनके दिमाग का विस्तार करने और उनके आत्मविश्वास और आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करता है। संगीत केवल मनोरंजन प्रदान करने की तुलना में हमारे जीवन में एक बड़ा उद्देश्य प्रदान करता है। शिक्षण और संगीत के संयोजन से, शिक्षक छात्रों की स्मृति, एकाग्रता के साथ-साथ अकादमिक ग्रेड बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। संगीत बुद्धि को सक्रिय करता है, जिससे हमारी रचनात्मकता बढ़ती है। एक रचनात्मक दिमाग नई खोजों और सफलताओं को बनाने में सक्षम होता है।[2] अल्बर्ट आइंस्टीन , मोजार्ट, और फ्रैंक लॉयड राइट, सभी समय के महानतम दिमाग और विचारकों में, सभी में एक चीज समान थी: वे लगातार अपनी कल्पना और रचनात्मकता की खोज कर रहे थे। जीवन में संगीत के महत्व को छात्र के जीवन में शैक्षणिक परिवर्तन को प्रभावित करने की क्षमता से ही समझा जा सकता है। संगीत याद रखने का एक बेहतरीन साधन है और कक्षा में अत्यधिक रोचक हो सकता है।[3] यदि अधिक शिक्षक गुणन सारणी पढ़ाने के लिए संगीत का उपयोग करते हैं, तो सामग्री छात्रों के साथ कहीं बेहतर रहेगी। संगीत हमारे अंदर आत्म-अनुशासन और समय प्रबंधन की भावना पैदा करता है जो हम कहीं और नहीं सीख सकते।[4] इतना ही नहीं, संगीत अपने आप में अध्ययन का एक सुंदर क्षेत्र है; छात्र दुनिया भर में स्नातक और परास्नातक स्तर पर कला का अध्ययन करते हैं । जीवन में संगीत के महत्व का एक अन्य कारण इसकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी को छूने की क्षमता है! संगीत इस मायने में सार्वभौमिक है कि इसे कोई भी समझ सकता है। उदाहरण के लिए, पक्षी, कुत्ते और व्हेल कुछ हद तक संगीत को समझ सकते हैं। क्योंकि आप दुनिया के दूसरे छोर पर किसी के साथ बातचीत और कहानियां साझा कर सकते हैं, भले ही आप एक ही भाषा न बोलते हों, संगीत संचार की सभी बाधाओं को पार कर जाता है। जब छात्र संगीत सुनते हैं तो उन्हें अपनेपन का अहसास होता है[5] और संगीत उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ केंद्रित रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे जीवन में संगीत का महत्व भावनात्मक आउटलेट के रूप में कार्य करने की क्षमता में निहित है। संगीत आपको लंबी यात्रा पर ले जाने की क्षमता रखता है। संगीत में समय बीतने को धीमा करने की क्षमता है। संगीत में आंदोलन को प्रभावित करने की क्षमता होती है। इन सभी वस्तुओं का मानवीय इंद्रियों से कुछ लेना-देना है। कोई नहीं जानता कि यह क्यों या कहाँ से आता है, लेकिन ऐसे कई अध्ययन हुए हैं जो बताते हैं कि कुछ भावनाएँ विशिष्ट पैमानों, रागों और सामंजस्य से जुड़ी होती हैं। इसलिए संगीत हमारे जीवन में इतना महत्वपूर्ण है! जब छात्र एक सामान्य लक्ष्य की ओर काम कर रहे होते हैं, तो वे इस बात की सराहना करते हैं कि उनकी 'आवाज' और रुचियां दूसरों द्वारा सुनी और समझी जाती हैं।[6] जब छात्र एक सामान्य लक्ष्य की ओर काम कर रहे होते हैं, तो वे इस बात की सराहना करते हैं कि उनकी 'आवाज' और रुचियां दूसरों द्वारा सुनी और समझी जाती हैं। यह सहयोगात्मक प्रयास सुरक्षित स्वीकृति की भावना को बढ़ावा देता है, जो उनके

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

(A Monthly, Peer Reviewed Online Journal)

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 2, Issue 2, December 2015

आत्मसम्मान के लिए आवश्यक है। हम सभी ने अनुभव किया है कि कैसे एक पसंदीदा संगीतकार या गाना सुनना हमारी आत्माओं को बढ़ा सकता है और हमें आराम करने में मदद कर सकता है। जब संगीत बनाने की बात आती है तो भी यही सच है। यह बच्चों के लिए एक अद्भुत आउटलेट प्रदान करता है, जिससे उन्हें संतुष्टि और आराम दोनों में खुद को डुबोने की सुविधा मिलती है। गाना बजानेवालों के अभ्यास के बाद, चाहे मैं स्कूल में कितना भी चिंतित क्यों न हो,[7] छात्र हमेशा प्रसन्न और तनावमुक्त महसूस करेंगे। संगीत आपके भाषा कौशल को सुधारने का एक शानदार तरीका है और यह एक और कारण है कि यह हमारे जीवन में इतना महत्वपूर्ण क्यों है। हाल के अध्ययनों के अनुसार, संगीत प्रशिक्षण शारीरिक रूप से भाषा प्रसंस्करण में जुड़े मस्तिष्क के बाईं ओर के हिस्से को सुधारता है, और वास्तव में कुछ तरीकों से मस्तिष्क के सर्किट को जोड़ सकता है। एक संगीत वाद्ययंत्र सीखना छात्रों को मानव भाषा को मस्तिष्क द्वारा संसाधित करने के तरीके में सुधार करके दूसरी भाषा सीखने में भी मदद कर सकता है। संगीत सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करता है, जीवन में संगीत के महत्व के कारणों की हमारी सूची में अंतिम स्थान पर है। संगीत आपके बच्चे के लिए नए लोगों से मिलने और सहयोग बढ़ाने के अलावा आजीवन संबंध बनाने का एक शानदार तरीका है। संगीत में लोगों को जोड़ने की जबरदस्त क्षमता होती है। यदि छात्र संगीत को एक पाठ्येतर गतिविधि के रूप में चुनते हैं, तो वे अन्य युवाओं के साथ बंधन बनाने में सक्षम होंगे जो उनके उत्साह को साझा करते हैं।[8]

संगीत शिक्षा के लाभ अत्यधिक हैं और छात्रों के लिए अत्यधिक लाभदायक हैं। संगीत बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, सामाजिक कौशल विकसित करने में सहायता करता है, और रचनात्मकता के लिए एक आउटलेट प्रदान करता है जो बच्चे के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। संगीत शिक्षा बच्चे की शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाती है, और इस वजह से, इसे हमेशा बच्चे की शैक्षिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाना चाहिए।[9]

विचार-विमर्श

भारतीय शिक्षण मंडल , महिला प्रकल्प की मण्डल परिचर्चा -मीरा मंडल की संयोजक श्रीमती राजश्री दवे जी के निवास पर आयोजित की गई। परिचर्चा का विषय -" शिक्षा के क्षेत्र में संगीत का महत्व " रखा गया। परिचर्चा का शुभारंभ संगठन गीत से किया गया।[10] विषय प्रवर्तन श्रीमती प्रभा श्रीवास्तव ने करते हुए कहा कि 'गीतं इति संगीतं' शिक्षा में संगीत का सम्यक् रुपेण प्रभाव व महत्व वैदिक काल से ही प्रतिपादित है। गुरुकुल में वैदिक ऋचाओं का पाठ,वेद, पुराण, गीता, भारतीय संस्कृति का ज्ञान गेय शैली में संगीत के माध्यम से ही दिया जाता रहा। छोटे-छोटे बच्चों को शिक्षा गीत, संगीत , कविताओं के माध्यम से देना ज्यादा प्रभावी है।गद्य की अपेक्षा पद्य,पद्य में भी कविता के स्थान पर गीत और गीतों में संगीत ज्यादा प्रभावशाली होते हैं। "हम होंगे कामयाब" गीत ने बच्चों की मन:स्थिति को काफी प्रभावित किया है।वि.वि.सागर इकाई की प्रमुख डॉ अर्चना मेहता ने कहा कि संगीत का महत्व शिक्षा के साथ साथ जीवन में भी है। मानसिक रोगों में, डिप्रेशन में इसका सफल प्रयोग हो रहा है।9माह का शिशु भी संगीत को समझ सकता है। संगीत से मन को आत्मा को सुकून व शांति मिलती है। जीवन ही संगीत है और संगीत ही जीवन है। श्रीमती शशिप्रभा दवे ने कहा कि संगीत से आत्मा का विकास होता है। प्रत्येक व्यक्ति को संगीतमय जीवन जीना चाहिए। श्रीमती हंसमुखी चतुर्वेदी ने कहा कि संगीत की शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है। संगीतमय तरीके से योग करने के फायदे दसगुना बढ़ जाते हैं। [11]डॉ सरोज गुप्ता ने कहा कि संगीत मानव जीवन का प्राण है। संस्कृति की धड़कन है। संगीत के माध्यम से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया अत्यंत रोचक और ऊर्जावान है। प्रियंवद की असाध्य वीणा,तानसेन का दीपक राग,मेघमल्हार के रागों द्वारा वर्षा ऋतु के आनन्द का श्रेय भारतीय संगीतकारों को ही जाता है।सुरलयताल के मिलन से फाग, होरी, चैती, बिरहा के गीत, सावनी,कजरी, दिवारी के गीतों की गमक उन्माद संगीत से ही सीखते हैं ।संगीत आत्मिक उत्कर्ष को प्राप्त कराने वाला उत्कृष्ट सोपान है।समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। श्रीमती शोभा सराफ ने कहा कि सुव्यवस्थित ध्वनि जो रस की सृष्टि करे संगीत कहलाती है। संगीत की परम्परा वैदिक काल से पूर्व से है। सामवेद के मंत्रों का उच्चारण सस्वर होता था। संगीत हमारे जीवन व सम्पूर्ण प्रकृति में समाया हुआ है। बच्चे संगीत के माध्यम से खुशी-खुशी पढ़ लेते हैं उनका सर्वांगीण विकास होता है। शोभा सराफ ने कविता भी सुनायी–"बन जाता मधुर गीत,सरगम के संगम से। गीतों के रंग न हो तो, सूना है ये जीवन।सरगम के सुर ने छेड़े तो, सूना है मन का आंगन।"[12] श्रीमती राजश्री दवे ने कहा कि बच्चों में भाषायी कौशल व ज्ञान संगीत के माध्यम से यदि दें तो बच्चों के मन की इच्छा-आशा-आकांक्षा,सपनों, भावनाओं को गीतों में पिरोकर जब उन्हें सुनाते हैं तो वर्णों और शब्दों से बच्चे खेलते हैं, जीते हैं और उनसे अपनेपन का एक रिश्ता जोड़ लेते हैं। अगर सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना आदि के विकास की बात करें तो गीत सहायक सिद्ध होते हैं। सीखने की पूरी प्रक्रिया बच्चों के लिए नीरस, थकाऊ और कष्टदायी न होकर रोचक, सरस और आनन्ददायी हो जाती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा को संगीत से जोड़ने का कार्य करें।श्रीमती स्मिता गोडबोले ने कहा कि दक्षिण भारत में संगीत की शिक्षा बचपन से ही दी जाती है। वहां विष्णु सहस्त्रनाम एवं श्रीसूक्तं एवं संस्कृत के श्लोक बच्चों को कण्ठस्थ कराते हैं। ओडिसी नृत्य कुचिपुड़ी नृत्य आदि की शिक्षा ईश्वर से जुड़ाव के लिए दी जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में नये परिवर्तन के साथ उत्तर भारत में भी संगीत की शिक्षा दी जाए। श्रीमती प्रतिभा नेमा ने कहा कि वेदों का हस्तांतरण पीढ़ी दर पीढ़ी संगीत व गायन से ही आया। यदि

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

(A Monthly, Peer Reviewed Online Journal)

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 2, Issue 2, December 2015

संस्कृत भाषा के श्लोक सीखने के लिए लगातार सुनकर और गाकर सीखा जा सकता है। शिक्षा में संगीत को समाहित करके हम बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं।[13] श्रीमती आराधना रावत ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा से ही संगीत विषय की शिक्षा की अनिवार्यता होनी चाहिए।डॉ अनूपी समैया ने कहा कि परिवार में गर्भावस्था से ही संगीत की शिक्षा प्रारंभ हो जाती है। संयुक्त परिवार में बच्चे के जन्म के पहले घर में संगीतमय वातावरण निर्मित किया जाता है। संगीत के माध्यम से एकाग्रता आती है सभी प्रकार की समस्यायों का समाधान भी सम्भव है। श्रीमती वीणा पण्डया ने कहा कि हम यदि बच्चों को संगीत के माध्यम से तो उन्हें पढ़ाई बोझ नहीं लगेगी। बच्चे पढ़ाई में रुचि लेंगे। श्रीमती दिव्या मेहता ने कहा कि जीवन में संगीत और शिक्षा दोनों का महत्व है।दिव्या मेहता ने संगीत के माध्यम से अपने अनुभवगम्य स्वास्थ्य लाभ की बात कही।हम अपने घर-परिवार में सभी के स्वास्थ्य के लिए संगीत का उपयोग करें। मानसिक रुप से परेशान व तनावग्रस्त जीवन में संगीत से सुखमय जीवन बनाया जा सकता है श्रीमती सुधा जैन ने कहा कि संगीत से शिक्षा सरल एवं सुगम बना सकते हैं। [14] संगीतमय वातावरण से बच्चों को याद भी जल्दी हो जाता है तथा बच्चे जागरूक एवं तनावरहित महसूस करते हैं। संगीत एक साधना है जिसमें समाहित हो कर व्यक्ति अपना आत्मिक एवं सात्त्विक विकास करता है। श्रीमती पल्लवी सक्सेना ने बताया कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली बहुत बोझिल एवं नीरस है यदि पढ़ाई के साथ एक पीरियड संगीत का हो तो बच्चों को बोझिल पाठ्यक्रम से राहत मिलेगी। संगीत बच्चों को संवेदनशील बनाता है। कार्यक्रम का समापन संगठन मंत्र से किया गया तथा श्रीमती राजश्री दवे ने सार्थक परिचर्चा हेतु सभी मातृशक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया।[15]

संगीत शिक्षा बच्चों में भाषा कौशल में सुधार और विकास करती है। संगीत मस्तिष्क को उत्तेजित करता है, और इसकी विविध ध्वनियों और गीतों के साथ, छात्रों को थोड़े समय में बड़ी मात्रा में शब्दावली से अवगत कराया जाता है। संगीत अन्य भाषाओं के संपर्क में भी आता है, जो एक अलग भाषा को समझने और संवाद करने की छात्र की क्षमता का आधार बनाता है।[16]

संगीत उत्कृष्ट स्मृति कौशल के लिए एक वाहन है। क्या आपने कभी लंबे समय में पहली बार कोई गाना सुना है और उसके बोल अभी भी याद हैं? यहां तक कि जो लोग संगीतकार नहीं हैं वे भी इस घटना का अनुभव करते हैं। आकर्षक धुनों और विभिन्न प्रकार की ध्वनियों के माध्यम से, संगीत हमारे साथ "जुड़े" रहने का एक तरीका है और उचित रूप से उपयोग किए जाने पर सीखने का एक शक्तिशाली उपकरण है - बस 'ए, बी, सीएस' या 'द स्टेट कैपिटल' गीत गाने के बारे में सोचें।[17]
दूसरी तरफ, संगीत शिक्षा में भाग लेने पर छात्र अपनी मानसिक क्षमताओं को भी कई तरीकों से बढ़ाते हैं। जैसा कि पहले कहा गया है, संगीत याद रखने के कौशल को बढ़ावा देता है। गाने के बोल के अलावा, प्रदर्शन की तैयारी करते समय छात्रों को संगीत के सभी पहलुओं को याद रखना चाहिए। छात्रों को लय, पिच, गतिकी और कई अन्य तत्वों को एक साथ याद करना चाहिए। छात्र तब उन स्मृति कौशलों को अकादमिक कक्षा में स्थानांतरित कर सकते हैं और उन कौशलों को अपने अध्ययन में नियोजित कर सकते हैं।[18]

यहां संगीत शिक्षा के 10 लाभ दिए गए हैं जो इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि क्यों यह छात्रों के जीवन का एक अभिन्न अंग होना चाहिए-चाहे वह स्कूल के अंदर हो या बाहर।

1. भाषा कौशल- एक संगीत वाद्ययंत्र सीखने से यह भी सुधार होता है कि मस्तिष्क मानव भाषा को कैसे समझता है, जिससे छात्रों को दूसरी भाषा सीखने में मदद मिल सकती है।

2. बेहतर टेस्ट स्कोर - अध्ययनों से पता चला है कि जो छात्र स्कूल में उच्च गुणवत्ता वाले संगीत शिक्षा कार्यक्रम में शामिल होते हैं, वे उन छात्रों की तुलना में परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, जो संगीत में शामिल नहीं होते हैं।
3. आत्म-सम्मान - संगीत छात्रों को कुछ नया करने की कोशिश करने और आत्मविश्वास विकसित करने की अनुमति देता है क्योंकि वे गायन या वाद्य यंत्र में महारत हासिल करते हैं। जब छात्र एक सामान्य लक्ष्य की दिशा में काम कर रहे होते हैं, तो वे इस बात की सराहना करते हैं कि उनकी 'आवाज' और रुचियां दूसरों द्वारा सुनी और समझी जाती हैं।
4. सुनने का कौशल - संगीत में खुद को और बाकी कलाकारों को सुनना शामिल है। संगीतकारों को टेम्पो, गतिकी, ट्यूनिंग और सामंजस्य सुनने की आवश्यकता होती है। यह मस्तिष्क में श्रवण विकास में मदद करता है ।
5. गणित कौशल - संगीत पढ़ने में चौथाई, आधा और पूरे नोट्स सीखना शामिल है, जो अनिवार्य रूप से अंश हैं। जैसा कि गेटिंग स्मार्ट समझाता है , "जब एक संगीत के छात्र ने लय के बारे में सीखने में समय बिताया है, तो उसने गिनना सीख लिया है। वह संख्याओं की गिनती नहीं कर रहा है, लेकिन वह निश्चित रूप से ताल और बार की गणना करने के लिए तर्क का उपयोग कर रहा है, और टुकड़े के माध्यम से व्यवस्थित तरीके से काम कर रहा है। कई संगीत अवधारणाओं में गणितीय प्रतिरूप होते हैं।
6. मस्तिष्क को अधिक मेहनत करना - शोध से पता चलता है कि एक संगीतकार का दिमाग एक गैर-संगीतकार की तुलना में अलग तरह से काम करता है।

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

(A Monthly, Peer Reviewed Online Journal)

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 2, Issue 2, December 2015

7. तनाव दूर करना - हम सभी जानते हैं कि किसी पसंदीदा कलाकार या गाने को सुनने से मूड अच्छा हो सकता है और हमें आराम मिल सकता है। वही संगीत बनाने के लिए जाता है। यह बच्चों को एक बेहतरीन रिलीज़ देता है , जिससे उन्हें खुद को किसी ऐसी चीज़ में डुबोने की अनुमति मिलती है जो तृप्त करने वाली और शांत करने वाली हो। मुझे पता है कि मैं स्कूल में चाहे कितना भी तनावग्रस्त क्यों न हो, गाना बजाने के अभ्यास के बाद मैं हमेशा खुश और आराम से बाहर आऊंगा।
8. रचनात्मकता - संगीत निश्चित रूप से बच्चों के रचनात्मक पक्ष का पोषण करता है। इसका असर उनके भविष्य पर पड़ सकता है।
9. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की मदद करना - विशेष आवश्यकता वाले बच्चों पर संगीत का शक्तिशाली प्रभाव हो सकता है । यह उन्हें संवाद करने और खुलने का एक तरीका खोजने में मदद करता है, जिससे वे अन्यथा संघर्ष कर सकते हैं। इस कारण से और संगीत कार्यक्रमों में कटौती के बावजूद, स्कूल विकलांग छात्रों के लाभ के लिए स्कूल के बाद संगीत चिकित्सा कार्यक्रमों को तेजी से लागू कर रहे हैं।[18]

परिणाम

हाल ही में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) ने सभी शिक्षण संस्थानों को एक दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि ब्रेक या मिड डे मील के समय बच्चों के उम्र के हिसाब से संगीत बजाया जाए ताकि बच्चों का मन पढाई से ना उबे और उनका ध्यान स्कूल में अच्छी तरह से लगा रहे।आज कल बच्चों को मिट्टी से जुड़े खेल पसंद नहीं आते क्योंकि उन्हें मोबाइल आसानी से मिल जाता है, जिसके लिए खुद उनके माता-पिता ही ज़िम्मेदार हैं।[16] कई बार तो बच्चा माता-पिता से नाराज़ होता है, तो बच्चे को मनाने के लिए माता-पिता ही मोबाइल दे देते हैं और बच्चा गेम खेलने लगता है। गेम खेलते समय उसके ऊपर बुरा प्रभाव पड़ रहा होता है और यह धीरे-धीरे गंभीर बीमारी का भी रूप ले सकता है। आज़ादी के कुछ साल तक हमारे शिक्षण संस्थानों में खेल-कूद का रिवाज था, जिसमें खेल-कूद और संगीत के लिए एक दिन रिज़र्व रहता था। जिसकी तैयारी बच्चे एक सप्ताह पहले से शुरू कर देते थे और उनमें इसके लिए काफी हर्ष पहले से ही रहता था। ऐसे आयाजनों में वह भाग लेते और उसको पूरा भी करते थे। [14]इसी प्रकार और कई सारे आयोजन किए जाते थे, जैसे- निबंध लेखन, पत्र लेखन, चित्र लेखन और कबड्डी आदि। इनका आयोजन होता ही रहता था लेकिन राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के इस कदम से स्कूलों को फिर से संगीतमय बनाया जा सकता है। संगीत मनुष्य के जीवन का एक अभिन्न अंग होता है, [12] जिससे हम अपने स्मरण शक्ति को बढ़ाते हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के इस पहल को सराहा जाना चाहिए और स्कूलों को लागू करने के लिए उनको प्रोत्साहित भी करना चाहिए। अतिरिक्त राशि का आवंटन भी करना चाहिए, जिससे संगीत के लिए स्कूल मसौदा तैयार कर सके और उसे लागू भी कर सके।[10]

छात्रों के लिए सिर्फ पढ़ाई ही नहीं बल्कि कायाकल्प के स्रोत भी जरूरी हैं। कला और संगीत एक विलक्षण प्रतिभा वाले बच्चे को खोजने के अभिन्न अंग हैं। यह एक महत्वपूर्ण कारण है कि सर्वश्रेष्ठ स्कूल इन प्रतिभा खोज गतिविधियों पर जोर देते हैं।[8]

अकादमिक ग्लोबल स्कूल में से एक है गोरखपुर में सर्वश्रेष्ठ सीबीएसई संबद्ध स्कूल. यह न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च अध्ययन के लिए जाने वाले बच्चों पर ध्यान केंद्रित करता है बल्कि उन्हें इन गतिविधियों में नियमित रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी करता है।[6]

ज्ञान कभी किताबों की सीमाओं तक सीमित नहीं था; बल्कि, इसकी काफी बड़ी रेंज है। युवा अपने परिवेश से और कम उम्र में अपने पाठ्यक्रम में जो पढ़ाया जाता है उससे सीखते हैं।

नतीजतन, युवाओं को ऐसी चीजें सीखनी चाहिए जो उनके दिमाग का विकास करें, और पाठ्यपुस्तकें ही एकमात्र तत्व नहीं हैं जो उन्हें अपने क्षितिज का विस्तार करने और अपनी प्रतिभा का पता लगाने में मदद कर सकती हैं। [4]

नए कौशल की खोज करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन अपने बच्चों को एक में नामांकित करना गोरखपुर में सर्वश्रेष्ठ सीबीएसई स्कूल उनके बोझ को कम कर सकते हैं और उन्हें कम उम्र में अपने बारे में जानने में मदद कर सकते हैं।

संगीत शिक्षा के मानसिक लाभ स्कूलों में छात्रों के लिए अत्यंत लाभदायक हैं; हालाँकि, सामाजिक लाभ उतने ही अद्भुत हैं! संगीत शिक्षा के लिए टीम वर्क और सहयोग की आवश्यकता होती है । एक साथ वाद्य यंत्र बजाते हुए, छात्र सुनने के कौशल विकसित करते हैं। वॉल्यूम के स्तर को बेहतर ढंग से मापने, गतिशीलता के कार्यान्वयन, और बहुत कुछ करने के लिए उन्हें दूसरों को सुनना चाहिए। लयबद्ध और मेलोडिक नोटेशन जैसे सरल संगीत कार्यों को पूरा करते समय टीम वर्क और सहयोग की भी आवश्यकता होती है। छात्र जल्दी से दूसरों की राय और विचारों को महत्व देना सीखते हैं और हाथ में लिए गए कार्य को पूरा करने के लिए उन विचारों को कुशलतापूर्वक कैसे जोड़ते हैं।[2]

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

(A Monthly, Peer Reviewed Online Journal)

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 2, Issue 2, December 2015

निष्कर्ष

कला शिक्षा के सार में सक्रिय सहयोगी शिक्षा शामिल है। संगीत, गायन, अभिनय, रचनात्मक कला, नृत्य और अन्य कला रूप बच्चों को अपने सहपाठियों के साथ नवीन विचारों, क्षमताओं और मानसिकता का सक्रिय रूप से पता लगाने की अनुमति देते हैं।[3]

छात्र कलात्मक कार्यों में मास्टर्स और नेताओं का अनुकरण या प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, प्रशिक्षण के माध्यम से आत्म-अनुशासन प्राप्त कर सकते हैं और कला और शिल्प के साथ समूह गतिविधि में योगदान कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब एक छोटा बच्चा अपने शिक्षक की नकल या शिल्प/चित्र बनाने की कोशिश करता है, तब वह अपनी क्षमता के बारे में सीखता है।

इस तरह की गतिविधि शिक्षार्थियों को यह पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है कि एक समान छवि कैसे बनाई जाए, उन्हें किन संसाधनों की आवश्यकता हो सकती है, और अपने हाथों का उपयोग कैसे करें। छात्र चारों ओर एक त्वरित नज़र डाल सकते हैं और आस-पास के विद्यार्थियों से सहायता मांग सकते हैं, या वे देख सकते हैं कि अन्य छात्र क्या कर रहे हैं।[5]

कला निर्माण की प्रक्रिया ध्यान और धीरज में सुधार करती है, जबकि बच्चों को भावनाओं को अलग-अलग तरीकों से संवाद करने की अनुमति मिलती है, जो वे सामान्य रूप से स्पष्ट नहीं कर पाएंगे।

कला शिक्षा के माध्यम से टीमवर्क और सहकारी शिक्षण को भी बढ़ावा दिया जाता है। यह अक्सर शिक्षकों और बच्चों को एक साथ लाता है, जो उन्हें सामग्री के निर्माण पर सहयोग करने के दौरान एक दूसरे से सीखने और समर्थन करने की अनुमति देता है।

यह मानसिक शांति बनाए रखता है और बच्चों को अच्छा संचारक बनने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह उत्तरदायित्व को भी कायम रखता है क्योंकि जब युवा सहयोग से काम करते हैं तो उन्हें नियमों का पालन करना पड़ता है, इसलिए वे बड़ी गलतियाँ नहीं करते हैं। [7]

यह एक स्पष्ट लाभ प्रतीत हो सकता है, लेकिन बढ़ी हुई रचनात्मकता के प्रभाव आपके बच्चे के जीवन के कई क्षेत्रों में देखे जा सकते हैं। जब बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने और कला और संगीत के माध्यम से मौके लेने के लिए प्रेरित किया जाता है, तो बच्चे नवीन प्रतिभाओं का विकास करते हैं।

वे गुण बाद में जीवन में द्वार खोल सकते हैं; बड़ी संख्या में कंपनियाँ भर्ती करते समय रचनात्मकता को सबसे महत्वपूर्ण गुण मानती हैं।[9]

माना जाता है कि कला और संगीत मस्तिष्क के रचनात्मक हिस्से को उत्तेजित करते हैं और साथ ही व्यक्ति के विकास को आकार देने में भी मदद करते हैं। कला और संगीत को बढ़ावा देने और उनका सम्मान करने वाले एजीएस में अपने बच्चों को नामांकित करने से निस्संदेह एक कुशल युवा होगा। संगीत शिक्षा बेहतर समन्वय, विशेष रूप से हाथ से आँख समन्वय को बढ़ावा देती है। संगीतकारों को मल्टीटास्क करना चाहिए! उन्हें एक साथ कई काम करने होते हैं,[12] जिनमें से सभी समन्वय में सुधार करते हैं और मस्तिष्क को और विकसित करते हैं। छात्र संगीतकारों को संगीत पढ़ना चाहिए, इसकी व्याख्या करनी चाहिए, और शारीरिक रूप से अपने वाद्य यंत्र के माध्यम से संगीत की शुरुआत करनी चाहिए। संगीत के किसी भी प्रदर्शन के दौरान इन चरणों को लगातार दोहराया जाता है, और यहां तक कि सबसे कम उम्र के शिक्षार्थी भी धीरे-धीरे निरंतर संगीत अभ्यास के माध्यम से अपने समन्वय कौशल विकसित करते हैं।[18]

संदर्भ

1. निबन्ध संगीत, लक्ष्मी नारायण गर्ग, संगीत कार्यलय हाथरस, इलाहाबाद, पृष्ठ संख्या 123
2. ↑ संगीत रत्नाकर, भाग दो पृष्ठ संख्या 8
3. ↑ "Home". CraftedTracks (अंग्रेज़ी में). अभिगमन तिथि 2014-12-02.
4. The Dictionary of the History of Ideas see Music and Science, Music as a Demonic Art, Music as a Divine Art
5. Edinburgh University Collection of Historic Musical Instruments
6. Essentials of Music Classical Music eras, composers, glossary from Sony Music Entertainment
7. Glossary of Musical Instruments & Styles and Quotes from OddMusic.com
8. Historic American Sheet Music
9. Lester S. Levy Sheet Music Collection popular American music, 1780-1960

ISSN: 2395-7639

International Journal of Multidisciplinary Research in Science, Engineering, Technology & Management (IJMRSETM)

(A Monthly, Peer Reviewed Online Journal)

Visit: www.ijmrsetm.com

Volume 2, Issue 2, December 2015

10. Musical History from the Smithsonian Institution, Encyclopedia Smithsonian
11. Music History Resources at GeoCities.com
12. Music History Time Lines from the Schuylkill Haven Elementary Center Music
13. The Music History Webring
14. The New Baroque and Renaissance Music Website at GeoCities.com
15. National Music Museum from the University of South Dakota
16. Russell Collection of Early Keyboard Instruments from the University of Edinburgh
17. Tim Gracyk's Phonographs and Old Records
18. U.S. popular music timeline